सत्यमेव जयते

भारतीय डाक
India Post

Department of Posts
Ministry of Communications
Government of India

Deen Dayal SPARSH Yojana

(Scholarship for Promotion of Aptitude & Research in Stamps as a Hobby)

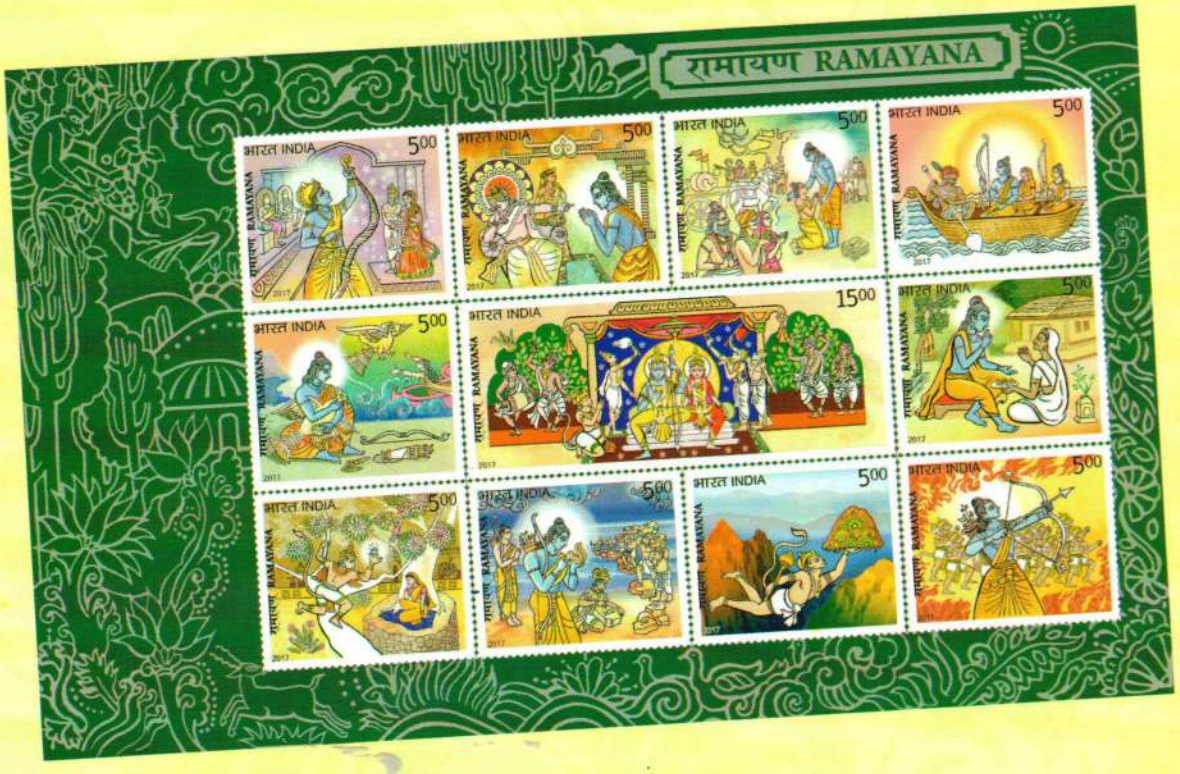

Deen Dayal SPARSH Yojana

(Scholarship for Promotion of Aptitude & Research in Stamps as a Hobby)

Philately is the collection and study of Postage stamps. It also entails the collection, appreciation and research activities on stamps and other related philatelic products. The hobby of collecting Stamps includes seeking, locating, acquiring, organizing, cataloguing, displaying, storing, and maintaining the stamps or related products on thematic areas. Stamp collection as a hobby has lot of educational benefits as it teaches a lot about the socio economic political reality of the period in which the stamp is issued or the theme on which it is issued. Maintaining a collection can be a relaxing activity that counteracts the stress of life, while providing a purposeful pursuit which prevents boredom. The hobby leads to social connect between people with similar interests and the development of new friendships. Collecting also hones the memory skills by working on the need of the human brain to catalogue and organize information and give meaning to ones actions.

Reinforcing the efforts aimed towards increasing the reach of Philately, the Department of Posts is launching a Scholarship Scheme called **Deen Dayal SPARSH Yojana** to award children in the class category of Standard VI to IX. Under the **S**cholarship for **P**romotion of **A**ptitude & **R**esearch in **S**tamps as a **H**obby or **Deen Dayal SPARSH Yojana** it is proposed to award annual scholarships to those students who have good academic record and also pursue Philately as a hobby. The objective of the scholarship is to "***Promote Philately among children at a young age in a sustainable manner that can reinforce and supplement the academic curriculum in addition to providing a hobby that can help them relax and de-stress***".

Details of the Scheme

Under the Deen Dayal SPARSH Yojana, it is proposed to:

- Award 920 scholarships to students at PAN India level for pursuing Philately as a hobby.
- Every Postal Circle will give maximum of 40 scholarships to 10 students each from Standard VI, VII, VIII & IX.
- The scholarship amount will be disbursed quarterly to regular students studying in class VI-IX in recognized schools.
- Scholarship will be provided to students who satisfy the eligibility condition and qualify in the selection procedure.

- The amount of Scholarship is to be Rs. 6000/- per annum @ Rs. 500/- per month.
- Selections to the scholarship would be for one year and there would be no bar on an already selected student applying for the scholarship next year provided he/she fulfils other criterion.
- Every prospective school which participates in the competition would be assigned a Philately Mentor to be chosen from amongst the renowned Philatelist.
- The **Philately Mentor** would help in formation of the School level Philately Club, providing guidance to young and aspiring Philatelist on how to pursue the hobby and also helping the aspiring Philatelists on their Philately Projects etc.

Eligibility condition

- Candidate must be a student of a recognized School within India
- Concerned School should have a Philately Club and the candidate should be a member of the Club,
- In case the School Philately Club hasn't been established a student having his own Philately Deposit Account may also be considered.
- The candidate must have good academic record. At the time of selection for award of scholarship the candidate must have scored at least 60% marks or equivalent grade/ grade point in the recent final examination. There will be 5% relaxation for SC/ST.

Selection Procedure

- Selections under the Deen Dayal SPARSH Yojana would be made based on the evaluation of Project work on Philately & performance in Philately Quiz conducted by the Circles.
- A committee constituted at the circle level consisting of Postal Officials and renowned Philatelists would evaluate the Project work on Philately submitted by the candidate.
- List of Topics on which Project has to be made would be provided by the circles while issuing the notifications.

Disbursement of Scholarship

- The awardees will be asked to open Joint account with parents in India Post Payment Bank or Post Office Savings Bank in a branch, which has core banking facility.
- Each Postal Circle will select the awardees and hand over the list of beneficiaries to IPPB/POSB for payment of scholarship.
- IPPB/POSB will ensure that the scholarship is paid to awardees on quarterly basis (Rs. 1500/- each quarter) after getting the list from each Circle.

Department of Posts
Ministry of Communications
Government of India

Website : www.postagestamps.gov.in, www.indiapost.gov.in
E-mail : philatelydivision1@gmail.com, Phone : 011-23096020, 23096211

सत्यमेव जयते

भारतीय डाक
India Post

डाक विभाग
संचार मंत्रालय
भारत सरकार

दीन दयाल स्पर्श योजना

(डाक-टिकटों के प्रति अभिरुचि तथा इस क्षेत्र में
शोध कार्य के प्रचार-प्रसार हेतु छात्रवृत्ति)

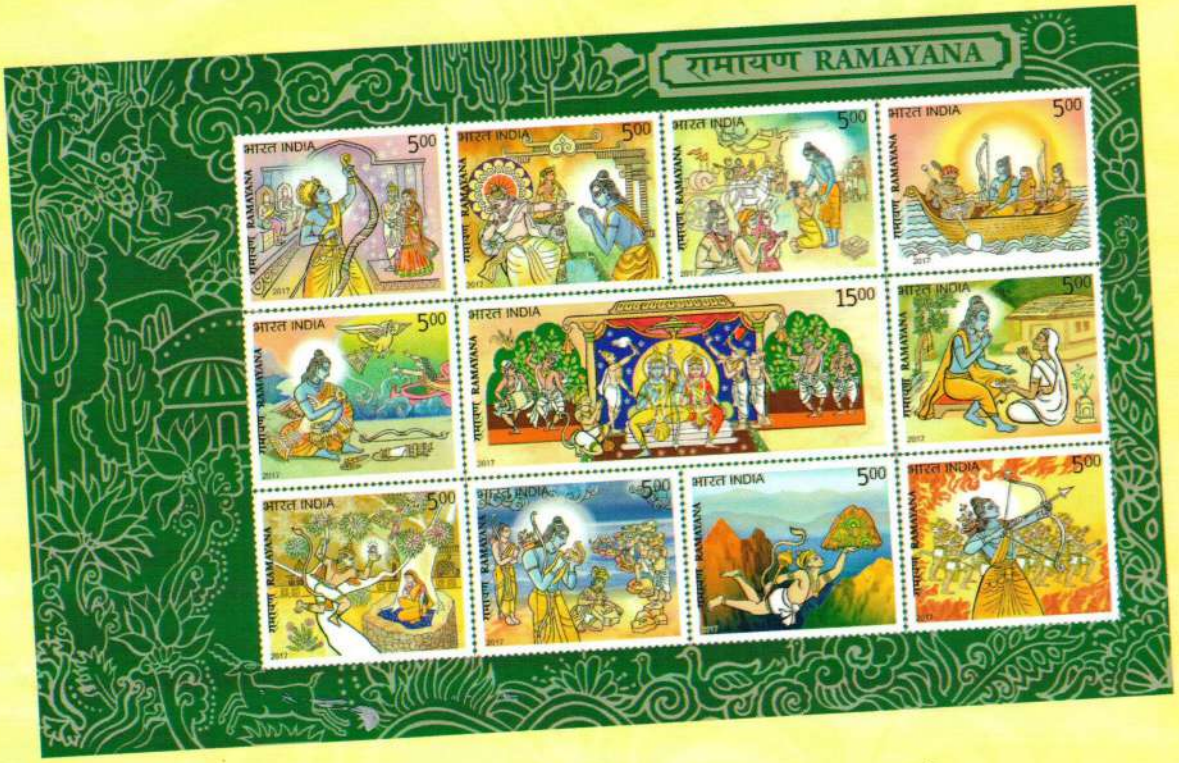

दीन दयाल स्पर्श योजना

(डाक-टिकटों के प्रति अभिरुचि तथा इस क्षेत्र में
शोध कार्य के प्रचार-प्रसार हेतु छात्रवृत्ति)

फिलैटली, डाक-टिकटों के संग्रहण और अध्ययन का नाम है। इसके अंतर्गत, डाक-टिकटों के साथ-साथ अन्य फिलैटली उत्पादों का संग्रहण, इनकी खूबियों को समझना तथा इनके संबंध में शोध संबंधी कार्यकलाप करना भी शामिल है। डाक-टिकटों का खजाना जुटाने के इस रूचिकर शौक के दायरे में, विषयपरक डाक-टिकटों तथा अन्य संबंधित उत्पादों की जानकारी प्राप्त करना, इन्हें जुटाना, इन डाक-टिकटों को कैटेलॉग कर खूबसूरती से सजाना, इन्हें प्रदर्शित करना तथा सहेज कर रखना आदि भी शामिल है। डाक-टिकटों को जमा करने की रूचि अत्यंत शिक्षाप्रद भी होती है क्योंकि इनके माध्यम से हमें किसी समय-विशेष के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक यथार्थ तथा जिन विषयों पर डाक-टिकट जारी किए जाते हैं, उनके बारे में गहन जानकारी भी हासिल होती है। खूबसूरत डाक-टिकटों का खजाना जुटाने से दैनिक जीवन के तनाव भरे माहौल में सुकून मिलता है और साथ-ही-साथ सार्थक कार्य होने के कारण, हमें बोरियत भी नहीं होती। यह शौक हमारे सामाजिक दायरे को भी बढ़ाता है क्योंकि हमें समान रूचि रखने वाले नए लोगों से मिलने का मौका भी मिलता है और हम नए दोस्त बनाते हैं। डाक-टिकट संग्रहण हमारी याद्दाश्त भी बढ़ाता है क्योंकि इन डाक-टिकटों में फैली विस्तृत जानकारी को एकत्र और संगठित करने की दिशा में हमारे मन-मस्तिष्क को कसरत करनी पड़ती है और यह हमारी मेहनत को सार्थक सिद्ध करता है।

फिलैटली की पहुंच को बढ़ाने की दिशा में अपने प्रयास को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से, डाक विभाग, **दीन दयाल स्पर्श योजना** के नाम से एक छात्रवृत्ति योजना आरंभ करने जा रहा है। यह योजना, कक्षा VI से IX के बच्चों के लिए है। शौक के तौर पर डाक-टिकटों के प्रति अभिरूचि तथा इस क्षेत्र में शोध के प्रचार-प्रसार हेतु छात्रवृत्ति अर्थात् **दीन दयाल स्पर्श योजना** के तहत उन मेधावी छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान करने का प्रस्ताव है, जिनका शैक्षिक रिकार्ड अच्छा है और जिन्होंने शौक के तौर पर फिलैटली को अपनाया है। इस छात्रवृत्ति का वृहद उद्देश्य 'बच्चों में छोटी आयु से फिलैटली के शौक को इस प्रकार बढ़ावा देना है, ताकि यह रूचिकर कार्य, उन्हें सुकून भरा अनुभव और तनाव-मुक्त जीवन प्रदान करने के साथ-साथ उनके लिए शिक्षाप्रद भी सिद्ध हो।'

योजना का विवरण :

दीन दयाल स्पर्श योजना के अंतर्गत निम्नलिखित प्रस्तावित है :

- फिलैटली को एक शौक के रूप में जारी रखने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर विद्यार्थियों को 920 छात्रवृत्तियां प्रदान करना।
- प्रत्येक डाक परिमंडल, कक्षा VI, VII, VIII और IX के 10-10 विद्यार्थियों को, अधिकतम 40, छात्रवृत्तियां प्रदान करेगा।
- छात्रवृत्ति की राशि, मान्यता प्राप्त विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा VI से IX तक के नियमित विद्यार्थियों को तिमाही आधार पर वितरित की जाएगी।
- छात्रवृत्ति, पात्रता की शर्तें पूरी करने वाले और चयन प्रक्रिया में अर्हक पाए गए विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी।

- छात्रवृत्ति की राशि, 500/- रुपये प्रतिमाह की दर से 6000/- रुपये प्रति वर्ष होगी।
- छात्रवृत्ति के लिए चयन, एक वर्ष के लिए किया जाएगा तथा एक बार चयनित विद्यार्थी दोबारा आवेदन कर सकता है, बशर्ते कि वह अन्य सभी मानदण्ड पूरे करता हो।
- प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रत्याशित विद्यालय को, प्रतिष्ठित फिलैटलीविदों में से चयनित एक फिलैटली मेंटोर (परामर्शदाता) दिया जाएगा।
- फिलैटली मेंटोर (परामर्शदाता) विद्यालय स्तर पर फिलैटली क्लब स्थापित करने में, युवा और फिलैटली के इच्छुक विद्यार्थियों को इस शौक को आगे बढ़ाने तथा उनके फिलैटली संबंधी प्रोजेक्ट में सहायता प्रदान करेंगे।

पात्रता शर्त :

- उम्मीदवार भारत में मान्यता प्राप्त विद्यालय का विद्यार्थी होना चाहिए।
- संबंधित विद्यालय का फिलैटली क्लब होना चाहिए और उम्मीदवार क्लब का सदस्य होना चाहिए।
- यदि विद्यालय में फिलैटली क्लब नहीं है, तो उस विद्यालय के ऐसे विद्यार्थी जिसका अपना फिलैटली जमा खाता है, के नाम पर भी विचार किया जा सकता है।
- उम्मीदवार का शैक्षणिक रिकार्ड अच्छा होना चाहिए। छात्रवृत्ति देने के लिए चयन करते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि उम्मीदवार ने विगत अंतिम परीक्षा में कम से कम 60% अंक अथवा समकक्ष ग्रेड/ग्रेड प्वांइट प्राप्त किए हों। अनु. जाति/अनु. जनजाति के उम्मीदवारों के लिए 5% की छूट होगी।

चयन प्रक्रिया :

- दीन दयाल 'स्पर्श' योजना के तहत चयन, फिलैटली संबंधी प्रोजेक्ट कार्य के मूल्यांकन अथवा परिमण्डलों द्वारा आयोजित फिलैटली क्विज में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।
- परिमंडल स्तर पर गठित समिति, जिसमें डाक अधिकारी और प्रतिष्ठित फिलैटलीविद् होंगे, उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए गए फिलैटली संबंधी प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन करेगी।
- विषयों की सूची, जिन पर प्रोजेक्ट तैयार किया जाना है, अधिसूचनाएं जारी करते समय सर्कलों द्वारा प्रदान की जाएगी।

छात्रवृत्ति संवितरण :

- चयनित विद्यार्थियों को, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक अथवा डाकघर बचत बैंक की कोर बैंकिंग सुविधा वाली शाखा में, अपने अभिभावकों के साथ एक संयुक्त खाता खुलवाना होगा।
- प्रत्येक डाक सर्कल छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थियों का चयन करेगा और छात्रवृत्ति के भुगतान हेतु आईपीपीबी/पीओएसबी को लाभार्थियों की सूची सौंपेगा।
- प्रत्येक सर्कल से सूची प्राप्त होने के बाद, आईपीपीबी/पीओएसबी यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक चयनित विद्यार्थी को तिमाही आधार पर (प्रत्येक तिमाही में 1500/-रु.) छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा रहा है।

डाक विभाग
संचार मंत्रालय
भारत सरकार

Website : www.postagestamps.gov.in, www.indiapost.gov.in
E-mail : philatelydivision1@gmail.com, Phone : 011-23096020, 23096211